



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 307] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1992/ज्येष्ठ 1, 1914  
No. 307] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1992/JYAISTHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह असग संकासन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

अम मंशालय

अधिग्रनना

नई दिल्ली, 22 मई, 1992

का.आ. 353(अ) :— जबकि केन्द्र सरकार को यह गय है कि “ग्रन्थक ज्ञानों में नियोजन” के बारे  
में मजदूरियों की व्यूतम मर्गों का निर्वाग्न ल्यूनतम मजदूरी निर्धानियम, 1948 (1948 जा 11) के प्रलंबित  
विषय जाना चाहिए।’;

अतः प्रश्न, उपर्युक्त अधिनियम की घोषणा 27 फारा प्रदर्शन शक्तियों का प्रयोग करने के लिए सरकार  
एतद्वारा उपर्युक्त नियोजन को उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग 1 में घासिल करने की वकारणी की  
सूचना देती है।

इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से सीन माह की अवधि समाप्त होने अपेक्षा उससे पूर्व, उक्त परिवर्तन के मंदंद में, फिरी व्यक्ति से प्राप्त मुश्तिंशां अवश्य आपसियों पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

[ग. एम - 32025/25/89 - डल्लू सी (एम डल्लू)]

जे. एन. अग्रवाल, अम एवं गोजमार सलाहकार

**MINISTRY OF LABOUR  
NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd May, 1992

S.O. 353(E).—Whereas the Central Government is of opinion that the minimum rates of wages should be fixed under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) in respect of “employment in mica mines”;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 27 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to add the said employment to Part I of the Schedule to the said Act.

Any suggestions or objections which may be received from any person in respect of the said addition on or before the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, will be considered by the Central Government.

[No. S-32025/25/89-WC(NW)]

J. N. AGRAWAL, Labour & Employment Advisor